समाचार वाणी
ख़बर जो करें असर !

नाशिक | Tuesday, 25 August 2026

एक छात्र से 5,000 विद्यार्थियों तक : स्मिता पाथ्रीकर की प्रेरणादायक कहानी

Publisher

Published on 12 Feb 2026

4 मार्च 1991 को जन्मी श्रीमती स्मिता कपिल पाथ्रीकर आज इस बात का उदाहरण हैं कि मेहनत, अनुशासन और स्पष्ट लक्ष्य से साधारण शुरुआत को भी बड़ी सफलता में बदला जा सकता है। उन्होंने एमजीएम, छत्रपति संभाजीनगर से बीसीए और एमबीए (ह्यूमन रिसोर्स) की पढ़ाई की। पढ़ाई पूरी करने के बाद उन्होंने नौकरी के बजाय शिक्षा और व्यवसाय का रास्ता चुना।

साल 2015 में उन्होंने केवल एक छात्र को पढ़ाकर अपनी यात्रा शुरू की। उस समय न बड़ा संस्थान था और न ही अधिक साधन। उनके पास था तो सिर्फ ज्ञान, आत्मविश्वास और शिक्षा की ताकत पर भरोसा। धीरे-धीरे उनकी मेहनत रंग लाने लगी। एक छात्र से शुरू हुआ यह सफर आज हजारों विद्यार्थियों तक पहुंच चुका है।

शुरुआती समय आसान नहीं था। अभिभावकों का विश्वास जीतना, नई पढ़ाने की पद्धति अपनाना और कई जिम्मेदारियों को साथ निभाना चुनौतीपूर्ण था। लेकिन उनकी लगन और ईमानदारी से छात्रों में अच्छे परिणाम दिखने लगे। इससे लोगों का भरोसा बढ़ा और उनका काम आगे बढ़ता गया।

श्रीमती स्मिता के लिए पढ़ाना केवल एक काम नहीं, बल्कि जिम्मेदारी है। बच्चों की बुनियादी पढ़ाई मजबूत करने के उद्देश्य से उन्होंने मायूर पार्क, हरसूल पिसादेवी, छत्रपति संभाजीनगर में **रेनबो SIP अबेकस** की स्थापना की। यह संस्थान अनुशासन, व्यक्तिगत ध्यान और गुणवत्ता वाली शिक्षा के लिए जाना जाता है।

उनकी शिक्षण पद्धति बच्चों के दिमाग के विकास पर केंद्रित है। यहां मानसिक गणित, तेज गणना, याददाश्त और एकाग्रता बढ़ाने और आत्मविश्वास विकसित करने पर विशेष ध्यान दिया जाता है। इस पद्धति से बच्चों की पढ़ाई की नींव मजबूत होती है।

पिछले दस वर्षों में श्रीमती स्मिता 5,000 से अधिक विद्यार्थियों को प्रशिक्षित कर चुकी हैं। उनके कई छात्र आज आईआईटी, प्रतिष्ठित इंजीनियरिंग कॉलेजों और अन्य बड़े संस्थानों में पढ़ाई कर रहे हैं। कई छात्र अलग-अलग क्षेत्रों में सफल करियर बना रहे हैं। यह उनकी मजबूत शिक्षा और मार्गदर्शन का परिणाम है।

शिक्षा के साथ-साथ उन्होंने व्यवसाय में भी सफलता पाई है। वह “नारायणी भोज” नामक शुद्ध शाकाहारी रेस्टोरेंट की मालिक हैं, जो गुणवत्ता और साफ-सफाई के लिए जाना जाता है। यह उनकी प्रबंधन क्षमता और मेहनत का प्रमाण है।

उनकी सफलता में उनके परिवार का भी बड़ा योगदान है। उनके पति एक इलेक्ट्रिकल इंजीनियर हैं और सरकारी इलेक्ट्रिकल कॉन्ट्रैक्टिंग व्यवसाय चलाते हैं। वह हमेशा उनका समर्थन करते हैं। उनके दो बच्चे हैं — शिवराज, जो पांचवीं कक्षा में पढ़ते हैं, और कामाक्षी, जो जूनियर केजी में हैं। श्रीमती स्मिता अपने काम और परिवार के बीच संतुलन बनाकर चलती हैं।

शिक्षा, व्यवसाय और नेतृत्व के माध्यम से श्रीमती स्मिता कपिल पाथ्रीकर समाज में गुणवत्ता शिक्षा और महिला सशक्तिकरण का संदेश दे रही हैं। उनकी कहानी यह सिखाती है कि यदि लक्ष्य स्पष्ट हो और मेहनत सच्ची हो, तो कोई भी सपना सच हो सकता है।

एक छात्र से 5,000 विद्यार्थियों तक का उनका सफर एक मजबूत संदेश देता है —

सम्मान और पहचान

श्रीमती स्मिता कपिल पाथ्रीकर की इस शानदार उपलब्धि को “**Maharashtra Business Icon 2025** / **Maharashtra Style Icon 2025** / **Maharashtra Fashion Icon 2025**” जैसे प्रतिष्ठित पुरस्कारों के लिए चुना गया है। यह सम्मान **Reseal.in** और **India Fashion Icon Magazine** द्वारा उन उभरते उद्यमियों और रचनात्मक प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने के लिए दिया जाता है, जिन्होंने अपने क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान दिया है।

भव्य पुरस्कार समारोह

इस पुरस्कार समारोह में कई प्रसिद्ध फिल्मी हस्तियाँ शामिल होंगी:
- **वर्षा उसगांवकर** – बॉलीवुड अभिनेत्री
- **सोनाली कुलकर्णी** – भारतीय अभिनेत्री
- **प्रार्थना बेहेरे** – भारतीय अभिनेत्री

यह आयोजन **श्री सुधीर कुमार पठाडे**, *Founder & CEO, Sure Me Multipurpose Pvt. Ltd. (Reseal.in)* के नेतृत्व में आयोजित किया जाएगा, जो महाराष्ट्र के उद्यमियों और प्रतिभाओं को राष्ट्रीय मंच देने के लिए कार्यरत हैं

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Publisher, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsover.